Page I

BA (III) :- Social Psychology

Paper-6, Social Tension

Topic — Types of Social Tensions

जब व्यक्ति किसी परिस्थिति या किसी अन्य व्यक्ति के संबंध में एक अजीब प्रकार का असंतुलन महसूस करता है जिसके कारण व्यक्ति का उस व्यक्ति विशेष या परिस्थिति के साथ अनुकूलन एवं समायोजन ठीक ढंग से नहीं हो पाता है तब तनाव की स्थिति को समूह या समुदाय या इसी से समूह या समुदाय के अधिकांश व्यक्तियों के बीच पायी जाती है तो इसे सामाजिक तनाव या सामूहिक तनाव कहा जाता है। इसके कई प्रकार होते हैं जो निम्नलिखित हैं।

(1) जातीय तनाव (Caste Tension) — भारतीय समाज का स्वरूप ऊपर से संगठित नजर आता है परन्तु भीतर से जाति के नाम पर विभाजित है ~~[illegible]~~ समाज ~~[illegible]~~ उच्च जाति तथा पिछड़ी एवं दलित जाति में विभाजित है। उच्च जाति के लोग पिछड़ी जाति एवं दलित के प्रति नकारात्मक सोच रखते हैं उनके अधिकारों का अतिक्रमण करना चाहते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में पिछड़ी एवं दलित जाति के लोगों के प्रति भेदभाव करते हैं अपने आप को श्रेष्ठ समझते हैं। भावना उच्च जाति में अधिक पायी जाती है परिणाम स्वरूप उच्च जाति, पिछड़ी जाति एवं दलित के बीच में सामाजिक तनाव उत्पन्न हो जाता है जिसे हम जातीय तनाव की संज्ञा देते हैं।

(2) वर्ग तनाव - (Class Tension) - समाज में आर्थिक हितों के आधार पर शोषक वर्ग एवं शोषित वर्ग में सामाजिक आर्थिक शक्ति के आधार पर विभक्त किया जाता है। शोषक वर्ग अर्थात् पूंजीपति वर्ग, शोषित वर्ग के अन्तर्गत आने वाले श्रमिक वर्ग एवं मजदूर वर्ग का शोषण करते हैं। मजदूर एवं श्रमिक वर्ग अपनी मेहनत की कमाई का अधिक से अधिक भाग लेना चाहता है जबकि पूंजीपति वर्ग इस कमाई का अधिक से अधिक भाग अपने पास रखना चाहता है परिणाम स्वरूप दोनों वर्गों में तनाव उत्पन्न होने लगता है जिसे वर्ग तनाव की संज्ञा दिया गया है।

(3) साम्प्रदायिक तनाव - दो या दो से अधिक सम्प्रदायों के बीच असामान्यता के फलस्वरूप तनाव उत्पन्न होती है उसे साम्प्रदायिक तनाव कहते हैं। भारतीय समाज में हिन्दू एवं मुसलमान आपस में धार्मिक असामान्यताओं के कारण तनावग्रस्त हो जाते हैं उसी प्रकार सिक्ख एवं हिन्दू सम्प्रदाय सामाजिक धार्मिक विषमताओं के कारण तनाव से ग्रसित हो जाते हैं।

(4) राजनैतिक तनाव - भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में विभिन्न प्रकार के राजनैतिक पार्टियों के आदर्शों, सिद्धान्त, लक्ष्य एवं कार्यक्रम में विषमताओं के कारण अथवा सामाजिक तनाव उत्पन्न होते रहते हैं विभिन्न ~~पार्टी~~ राजनैतिक पार्टियों के बीच ~~[illegible]~~ जनता के सामने अपने आप को श्रेष्ठ प्रदर्शित करना

और विरोधी पार्टियों की तुलना समरूप सामाजिक तनाव का एक महत्वपूर्ण कारण प्रमाणित होता है। भारतीय राजनीति में आज-चुनाव के समय-समय इस प्रकार का तनाव अत्यन्त तीव्र स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है।

(5) प्रजातीय तनाव (Racial Tension)

प्रजातीय तनाव विदेशों में जैसे, अमेरिका, अफ्रीका एवं जापान जैसे देशों में अधिक देखा गया है जब दो प्रजाति के सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक स्वार्थों का टकराव होता है तो सामाजिक तनाव उत्पन्न होता है। अफ्रीका में भी श्वेत एवं श्याम प्रजातियों के लोगों के बीच इस प्रकार का तनाव देखा गया था।

अतः उपर्युक्त विवरणों के आधार पर सामाजिक तनाव का वर्गीकरण किया जा सकता है।

Kumar Patel
Maharaja College, Ara